भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 6044

जिसका उत्तर 01 अप्रैल, 2026 को दिया जाना है।

11 चैत्र, 1948 (शक)

ग्लोबल एआई कम्प्यूट ग्रिड

6044. श्रीमती शताब्दी राय बनर्जीः

क्या **इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ग्लोबल एआई कम्प्यूट ग्रिड (जीसीसी) के अंतर्गत इंडिया एआई कंप्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर के शुरू होने की अनुमानित तिथि क्या है और 10,372 करोड़ रुपये के इंडिया एआई मिशन के अंतर्गत निर्धारित चरण-वार गणना क्षमता लक्ष्य क्या हैं;
(ख) 'सर्वम एआई' को सार्वजनिक रूप से कब तक उपलब्ध कराया जाएगा और इस परियोजना के प्रारंभ से लेकर अब तक इसके विकास के लिए कितनी धनराशि आवंटित (रुपए में) और संवितरित की गई है;
(ग) इंडिया एआई इनोवेशन सेंटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटासेट प्लेटफार्म और इंडिया एआई फ्यूचर स्किल्स प्रोग्राम के लिए कितनी कंपनियों का चयन किया गया है और क्या इस सूची को सार्वजनिक रूप से जारी किए जाने की संभावना है; और
(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने इंडिया एआई मिशन के सभी घटकों में सुपुर्दगी, व्यय और सार्वजनिक पहुंच का पता लगाने के लिए समयबद्ध लक्ष्य और संपरीक्षा तंत्र निर्धारित किए हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): भारत की एआई रणनीति प्रौद्योगिकी के उपयोग को लोकतांत्रिक बनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारत केंद्रित चुनौतियों का समाधान करना, सभी भारतीयों के लिए आर्थिक और रोजगार के अवसर सृजित करना है।

किफायती कंप्यूटिंग क्षमता

पात्र उपयोगकर्ताओं को रियायती दरों पर क्लाउड पर जीपीयू एक्सेस प्रदान करने वाले पैनल वाले एआई सेवा प्रदाताओं के माध्यम से एक राष्ट्रीय एआई कंप्यूट क्षमता का संचालन किया गया है। यह कॉमन कंप्यूटिंग सुविधा स्टार्टअप्स, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी संगठनों के लिए उपलब्ध है।

- शेयर्ड एआई कंप्यूट बुनियादी अवसंरचना प्रदान करने के लिए 14 एआई सेवा प्रदाताओं के माध्यम से 38,000 से अधिक जीपीयू को सूचीबद्ध किया गया है
- मुंबई, नवी मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, नोएडा और जामनगर सहित देश भर में स्थित डेटा सेंटर ये सेवाएं प्रदान कर रहे हैं

- इंडियाएआई कंप्यूट पोर्टल (https://compute.indiaai.gov.in) शोधकर्ताओं सहित योग्य उपयोगकर्ताओं को जीपीयू कंप्यूट संसाधनों को ढूंढने और उन तक पहुंचने में सक्षम बनाता है
- इन जीपीयू तक पहुंच रियायती दरों पर प्रदान की जाती है; चुनिंदा हाई-एंड जीपीयू को छोड़कर औसत दर लगभग 65 रुपये प्रति जीपीयू प्रति घंटा है
- पैनल में शामिल प्रदाता एआई मॉडल विकास और परिनियोजन के लिए आवश्यक भंडारण, नेटवर्किंग, एआई प्लेटफॉर्म और अन्य सहायक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं

इंडियाएआई मिशन (जो वर्तमान में प्रक्रियाधीन है) के तहत 20,000 जीपीयू जोड़कर कंप्यूटिंग क्षमता को और बढ़ाया जा रहा है।

इंडियाएआई मिशन के तहत भारत के अपने फाउंडेशनल मॉडल:

इस पिलर के अंतर्गत, भारत सरकार बड़े भाषा मॉडल, मल्टीमॉडल मॉडल और डोमेन-विशिष्ट लघु भाषा मॉडल विकसित करने के लिए भारतीय स्टार्टअप, कंसोर्टिया और संस्थानों को सहयोग प्रदान कर रही है।

भारतीय डेटासेट के आधार पर बड़े और छोटे भाषा मॉडल विकसित करने के लिए स्टार्टअप, उद्योग जगत के अग्रणीयों और शैक्षणिक संस्थानों सहित बारह संगठनों और संघों का चयन किया गया है।

मॉडल सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में फैले भारतीय डेटासेट के आधार पर विकसित किए जा रहे हैं।

चयनित परियोजनाओं में बहुभाषी फाउंडेशनल मॉडल, स्पीच और वॉयस मॉडल, मल्टीमॉडल एआई, वैज्ञानिक मॉडल, स्वास्थ्य सेवा रिजनिंग प्रणाली और एजेंटिक एआई प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

परिणामी एआई मॉडल से उम्मीद की जाती है कि वे अन्य स्टार्टअप और शोधकर्ताओं के लिए एआईकोश प्लेटफॉर्म के माध्यम से उन्हें उपलब्ध कराकर ओपन-सोर्स इकोसिस्टम में योगदान देंगे। यह भारत के स्टार्टअप और अनुसंधान समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देगा।

इन संगठनों का विवरण **अनुबंध-1** पर दिया गया है।

चुनिंदा संगठनों को वास्तविक कंप्यूटिंग उपयोग लागत को कवर करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि कंप्यूटिंग व्यय का अतिरिक्त 25% डेटासेट और कर्मियों जैसे सहायक खर्चों के लिए निर्धारित किया जा रहा है।

सर्वम एआई, भारतजेन, ज्ञानी और सॉकेट द्वारा विकसित मॉडल इंडियाएआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान लॉन्च किए गए थे। ये मॉडल स्थानीय भाषाओं और उपयोग-मामलों के अनुरूप भारत की अपनी एआई क्षमताओं के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सर्वम एआई के मॉडल ने दस्तावेज़ समझ और भारतीय भाषा प्रसंस्करण में अपेक्षाकृत उच्च सटीकता का प्रदर्शन किया है। आईआईटी बॉम्बे कंसोर्टियम के नेतृत्व में भारतजेन ने पैराम2 एआई मॉडल विकसित किया है।

सर्वम और भारतजेन मॉडल अब डेवलपर समुदाय के लिए एआई आधारित एप्लिकेशन विकसित करने के लिए एआईकोष प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स

इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स स्तंभ के तहत, सरकार 500 पीएचडी फेलो, 5,000 स्नातकोत्तर और 8,000 स्नातक छात्रों को सहायता प्रदान करके एआई प्रतिभा और अनुसंधान की एक व्यापक श्रृंखला विकसित कर रही है।

आज तक, 80+ संस्थानों के छात्रों को कवर करते हुए यूजी, पीजी और पीएचडी स्तरों पर 500+ फेलोशिप पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं।

आवेदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए https://fellowship.indiaai.gov.in/ नामक एक समर्पित पोर्टल बनाया गया है।

सरकार ने इंडियाएआई मिशन के तहत एक व्यवस्थित शासन और निगरानी ढांचा स्थापित किया है, ताकि इसके विभिन्न घटकों में समय-सीमा के भीतर कार्यान्वयन, वित्तीय निगरानी और परिणामों की ट्रैकिंग सुनिश्चित की जा सके।

- मिशन गवर्निंग बोर्ड (एमजीबी):
  यह सर्वोच्च निकाय है, जो समग्र मार्गदर्शन, समय-समय पर समीक्षा और रणनीतिक निगरानी के लिए उत्तरदायी है। यह मिशन की तकनीकी और वित्तीय प्रगति की समीक्षा कम से कम वर्ष में एक बार करता है, और उद्देश्यों की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान करता है।
- परियोजना समीक्षा और संचालन समिति (पीआरएसजी):
  यह प्रत्येक घटक के लिए डिलीवरी के पड़ावों, प्रदर्शन के पैमानों और कार्यान्वयन के तंत्रों को परिभाषित करने के लिए ज़िम्मेदार है। यह वित्तीय प्रगति की छमाही समीक्षा भी करता है और प्रदर्शन के आधार पर धनराशि जारी करने की सिफ़ारिश करता है।
- परियोजना कार्यान्वयन निगरानी समिति (पीआईएमसी):
  समयसीमा और वितरण लक्ष्यों का पालन सुनिश्चित करते हुए, निरंतर आधार पर व्यक्तिगत घटकों के कार्यान्वयन और प्रगति की निगरानी करती है।

ये सभी तंत्र मिलकर नियमित निगरानी, मील के पत्थर-आधारित निष्पादन, वित्तीय जवाबदेही और सुधार सुनिश्चित करते हैं; जिससे इंडियाएआई मिशन के अंतर्गत प्रभावी वितरण और परिणामों तक जनता की पहुँच संभव हो पाती है।

*****

भारत के फाउंडेशन मॉडल बनाने के लिए चुने गए प्रस्ताव:

1. **सर्वम एआई** - "2047: सिटीजन कनेक्ट" और "एआई4प्रगति" जैसे उपयोग के मामलों के माध्यम से शासन और सार्वजनिक सेवा पहुंच बढ़ाने के लिए एक ओपन सोर्स 120 बिलियन पैरामीटर एआई मॉडल विकसित करना।
2. **सोकेट एआई** - देश की भाषाई विविधता के लिए अनुकूलित भारत का पहला ओपन-सोर्स 120 बिलियन पैरामीटर फाउंडेशन मॉडल विकसित करना, जो रक्षा, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों को लक्षित करता है।
3. **ज्ञानी एआई** - उन्नत तर्क क्षमताओं के साथ बहुभाषी, रियल टाइम स्पीच प्रोसेसिंग प्रदान करने वाले 14 बिलियन पैरामीटर वॉयस एआई फाउंडेशन मॉडल का निर्माण।
4. **गण एआई** - वर्तमान वैश्विक दिग्गजों को पीछे छोड़ने के उद्देश्य से, "सुपरह्यूमन टीटीएस (टेक्स्ट-टू-स्पीच)" क्षमताओं पर केंद्रित, 70 अरब पैरामीटर्स वाला एक बहुभाषी फाउंडेशन मॉडल तैयार करना।
5. **अवतार एआई** – 70बी मापदंडों तक के विशेष "एआई अवतार" बनाना, भारतीय भाषाओं और कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शासन जैसे डोमेन के लिए अनुकूलित।
6. **आईआईटी बॉम्बे कंसोर्टियम - भारत जेन** - कृषि, वित्त, कानूनी, स्वास्थ्य और शिक्षा में अनुप्रयोगों का समर्थन करने के लिए एक ओपन-सोर्स दृष्टिकोण के साथ 2बी से 1टी मापदंडों तक के बहुभाषी और बहुआयामी मॉडल विकसित कर रहा है।
7. **फ्रैक्टल एनालिटिक्स लिमिटेड.** – 70बी मापदंडों तक के भारत के पहले बड़े रिजनिंग मॉडल का निर्माण, संरचित तर्क, एसटीईएम विषयों और चिकित्सा समस्या-समाधान के लिए डिज़ाइन किया गया।
8. **टेक महिंद्रा मेकर लैब** – सरकारी अनुप्रयोगों के लिए एक एजेंट एआई प्लेटफॉर्म, ओरियन के साथ-साथ भारतीय भाषाओं (हिंदी बोलियों पर ध्यान देने के साथ) के लिए एक कुशल 8 बी पैरामीटर मॉडल डिजाइन करना।
9. **ज़ेंटेक** - इंजीनियरिंग इंटेलिजेंस, वैज्ञानिक कंप्यूटिंग और औद्योगिक नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए एक विज्ञान-संचालित मल्टीमॉडल फाउंडेशन मॉडल (8B-80B पैरामीटर) ब्रह्मएआई विकसित करना।
10. **जेनलूप** - छोटे भाषा मॉडल (2बी पैरामीटर) बनाना - युक्ति (बेस), वार्ता (निर्देश), और कवच (गार्ड) - मूल तर्क और सामग्री मॉडरेशन के साथ सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं का समर्थन करने के लिए।
11. **इंटेलीहेल्थ** - न्यूरोलॉजिकल विकारों की प्रारंभिक जांच और मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफ़ेस अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए ईईजी सिग्नल विश्लेषण के लिए 20बी पैरामीटर मॉडल का प्रस्ताव करना।
12. **शोध एआई** - सामग्री की खोज के लिए एक 7बी पैरामीटर मॉडल विकसित करना, सामग्री विज्ञान में नवाचार में तेजी लाने के लिए एआई को प्रयोगात्मक वर्कफ़्लो में एकीकृत करना।

*****